IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882
INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

कोविड–19 और भारतीय अर्थव्यवस्था : पर्यटन उद्योग पर प्रभाव के विशेष संदर्भ में

*डॉ महेन्द्र सिंह[1]

[1] असिस्टेण्ट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महोबा, उत्तर प्रदेश 210427

सारांश (Abstract)

पर्यटन उद्योग विभिन्न प्रकार की सेवा प्रदान करने वाले भिन्न–भिन्न उघोगों का समूह है। पर्यटन उद्योग के अन्तर्गत उच्च कौशलयुक्त व्यक्ति के साथ ही अकुशल व्यक्ति को रोजगार प्रदान करने की अद्वितीय क्षमता है। इसलिए पर्यटन उद्योग रोजगार सृजन के माध्यम से आर्थिक विषमता, बेरोजगारी, गरीबी एवं क्षेत्रीय विषमता आदि जैसी समस्याओं के निराकरण में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। भारत में नैसर्गिक जैव–विविधता, वन, नदियों, पर्वतों, ऐतिहासिक स्थलों, गुफाओं, संग्रहालयों, स्मारकों एवं प्राचीन संस्कृति आदि की उपलब्धता के द्वारा पर्यटन उद्योग की क्षमता का अनुमान लगाया जा सकता है। तृतीयक क्षेत्र में पर्यटन उद्योग का योगदान तीव्र गति से बढ़ा है। कोविड–19 महामारी ने विश्व के लगभग सभी देशों की अर्थव्यवस्थाओं को एक समय के लिए रोक दिया था। इस महामारी से सर्वाधिक प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में पर्यटन उद्योग प्रमुख रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था भी कोविड–19 के कारण लगने वाले लॉकडाउन के कारण ठप हो गयी थी और पर्यटन गतिविधियाँ अपने न्यूनतम स्तर तक चली गयी थी। इस शोध पत्र का उद्देश्य भारत के पर्यटन उद्योग पर कोविड–19 महामारी के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभावों का अध्ययन करना। महामारी के दौरान रोजगार और राजस्व में हुए परिवर्तनों का विश्लेषण करना। सरकार और निजी क्षेत्र द्वारा इस संकट से निपटने हेतु अपनाई गई नीतियों को समझना। भविष्य के लिए पर्यटन उद्योग की पुनरुद्धार संभावनाओं पर चर्चा करना। इस शोध पत्र में द्वितीयक आकड़ों का प्रयोग किया गया है। इस शोध अध्ययन में आकड़ों का संकलन विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, वार्षिक रिपोर्ट पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रकाशन, उत्तर प्रदेश सरकार के प्रकाशन, क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालयों के प्रकाशन आदि से किया गया है। हमें विश्वास है कि भारत का पर्यटन उद्योग कोविड–19 महामारी जैसी चुनौतियों का दृढतापूर्वक सामना कर विश्व के पर्यटन उद्योग में अपने योगदान में सत्त्त रूप से वृद्धि करता रहेगा।

मूल शब्द :– कोविड–19, पर्यटन उद्योग, रोजगार, आर्थिक विकास

[1] असिस्टेण्ट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महोबा, उत्तर प्रदेश 210427
ईमेल–*mahendrasinghalld1990@gmail.com*
मोबाइल– 7985491116

परिचय (Introduction)

सामान्यतः पर्यटन ऐसी यात्रा को कहा जाता है जिसके अन्तर्गत एक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न स्थानों का भ्रमण व्यवसाय, मनोरंजन, शिक्षा आदि प्राप्त करने के लिए किया जाता है। इस प्रकार का पर्यटन किसी व्यक्ति द्वारा एकाकी अथवा समूह के रूप में किया जा सकता है और इस व्यक्ति या समूह, को पर्यटक कहा जाता है। सामाजिक विज्ञानों में पर्यटन शब्द का प्रयोग ऐसे व्यक्ति के लिए किया जाता है जिसके भ्रमण कार्यक्रम की दो विशेषताएँ होती है प्रथम, वह व्यक्ति अपेक्षाकृत थोड़े समय के लिए अपने घर का त्याग करता है और द्वितीय, इस अवधि में वह जिस आय का व्यय करता है वह आय भ्रमण के स्थानों पर अर्जित की हुई न होकर घर से लाई गयी होती है। **संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO)** के अनुसार–''पर्यटन के अन्तर्गत व्यक्तियों के लिए यात्रा, अवकाश, व्यापार व अन्य उद्देश्यों हेतु लगातार एक वर्ष से कम अवधि के लिए अपने सामान्य वातावरण से बाहर के स्थलों पर रहने की गतिविधियाँ सम्मिलित हैं।''

अतः पर्यटन से आशय अपने सामान्य निवास से बाहर, 24 घण्टे से अधिक तथा एक वर्ष से कम समय तक शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, स्वास्थ्य, खेल आदि उद्देश्यों से यात्रा करना तथा उस दौरान किये गए क्रिया–कलापों को सम्मिलित किया जाता है।

पर्यटन उद्योग एक ऐसा माँग आधारित उद्योग है, जिसमें किसी एक वस्तु का उत्पादन न होकर, बल्कि बहुत सारी सेवाओं एवं उत्पादों को उत्पादित करने वाले उद्योगों का एक समूह है। यह उद्योग न केवल अत्यधिक संख्या में रोजगार उपलब्ध कराता है, बल्कि गरीबी एवं आर्थिक असमानता जैसी समस्याओं को भी समाप्त करता है। पर्यटन उद्योग देश में परिवहन, आवास एवं भोजन जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने से सम्बद्ध व्यक्तियों की आय में वृद्धि के साथ–साथ मार्गदर्शक (गाइड). फोटोग्राफर और फोटोग्राफी से सम्बन्धित वस्तुओं के विक्रेताओं, पिक्चर पोस्टकार्डस, कलात्मक सजावटी वस्तुओं, पारम्परिक वस्त्रों व आभूषणों के साथ ही प्रत्येक उस वस्तु के उत्पादन और विक्रय से जुडे व्यक्तियों की आय भी वृद्धि होती है, जो पर्यटकों द्वारा कय की जाती हैं। प्रधानमंत्री **नरेन्द्र मोदी जी** ने कहा है कि "पर्यटन निर्धनों में से सबसे निर्धन व्यक्ति के लिए भी अवसर प्रदान करता है।"[2]

कोविड–19 महामारी एक संक्रामक रोग है, जिसका कारण नवीन कोरोना वायरस है। इसका प्रथम मामला दिसंबर 2019 में चीन के वुहान शहर में सामने आया और यह शीघ्र ही समस्त विश्व में फैल गया। यह रोग मुख्यतः खाँसी, छींक तथा संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क से फैलता है। इसके प्रमुख लक्षणों में बुखार, खाँसी, गले में खराश, थकान, स्वाद एवं गंध की कमी तथा श्वसन संबंधी कठिनाई शामिल हैं। गंभीर अवस्था में यह रोग निमोनिया, अंगों की विफलता और मृत्यु तक का कारण बन सकता है। मार्च 2020 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे महामारी घोषित किया। संक्रमण की रोकथाम हेतु लॉकडाउन, मास्क, सैनिटाइजर, सामाजिक दूरी और हाथ धोने जैसी सावधानियाँ अपनाई गईं। इस महामारी ने स्वास्थ्य सेवाओं पर अत्यधिक दबाव डाला तथा अर्थव्यवस्था, शिक्षा, परिवहन और व्यापार को गहरा आघात पहुँचाया। वैज्ञानिकों द्वारा शीघ्र ही टीकों का निर्माण किया गया, जिनमें भारत में कोविशील्ड और कोवैक्सिन प्रमुख हैं। बड़े पैमाने पर चलाए गए टीकाकरण अभियानों ने संक्रमण और मृत्यु दर को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

[2](2015) अतुल्य भारत, पर्यटन पर त्रैमासिक पत्रिका, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, प्रथम संस्करण

साहित्य समीक्षा (Review of Literature)

अराच्ची एवं समरसिंहे (2024)[3] ने अपने अध्ययन में बताया कि उपभोक्ता व्यवहार साहित्य में इसका प्रयास अभाव है की महामारी जैसी स्थिति में कॉर्पोरेट कब और कैसे अपना योगदान देता है। कोविद–19 के दौरान कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का योगदान सकारात्मक रहा है, परंतु महामारी के दौरान कोविद–19 के डर और क्षेत्रीय भिन्नता के कारण इसके योगदान में भिन्नता पायी गई।

अलमिनेह (2022)[4] ने अपने शोध पत्र में पाया कि कोरोना वायरस के प्रकोप से पर्यटन और सकारात्मक शांति के बीच सहजीवन संबंध किस हद तक प्रभावित हुआ है। कॉविड–19 महामारी के प्रकोप ने पर्यटन सहित वैश्विक स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित किया है। जैसा कि साक्ष्य दर्शाते हैं कि विभिन्न समयों और विभिन्न स्थानों पर बीमारियों और हिंसक संघर्षों की घटनाओं से पर्यटन प्रभावित रहा है। कोविद–19 महामारी के प्रकोप ने पर्यटन के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय प्रभाव को बाधित किया है, जो सकारात्मक शांति और सतत विकास का आधार है।

फैज़ल और धुसिया (2021)[5] ने अपने शोध पत्र में कोविद–19 महामारी के प्रतिकूल प्रभावों को न्यूनतम संभव सीमा तक काम करने के लिए एक व्यापक मॉडल का विश्लेषण किया है। शोध पत्र के द्वितीय भाग में उच्च आय, मध्यम आय एवं निम्न आय वाली विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं के संबंध में इनोवा के माध्यम से कोविद–19 महामारी के प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। इन्होंने बताया कि कोविद–19 के नियंत्रण के लिए केवल एक उपाय पर्याप्त नहीं है, बल्कि सभी हित धारकों को सामूहिक रूप से एक साथ कोविद–19 के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रभावों को कम करने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है।

अध्ययन की आवश्यकता

साहित्यावलोकन के पश्चात् यह स्पष्ट है कि कोविड–19 महामारी ने समूचे विश्व की अर्थव्यवस्थाओं को अत्यधिक प्रभावित किया है। भारत की अर्थव्यवस्था भी इससे अछूती नहीं है। भारत के संदर्भ में पर्यटन उद्योग पर कोविड–19 के प्रभावों के अध्ययन की आवश्यकता है, इसलिए शोधार्थी का यह परम कर्तव्य होता है कि वह इस टॉपिक पर शोध कार्य करे।

[3] Arachchi, D. & Samarasinghe, D. (2024). Do fear-of-COVID-19 and regional identity matter for the linkage between perceived CSR and brand evangelism? A comparative analysis in South Asia. European Journal of Management Studies. 29. 10.1108/EJMS-07-2023-0052.

[4] Alamineh, Gubaye. (2022). The Nexus between coronavirus and tourism: Tourism as peace sensitive industry. Cogent Arts & Humanities. 9. 10.1080/23311983.2021.2014110.

[5] Faisal, M. & Dhusia, D. (2021). Pandemic’s (Covid-19) Impact on Tourism Sector of India. Anais Brasileiros de Estudos Turísticos - ABET. 10.34019/2238-2925.2021.v11.33307.

उद्देश्य

इस शोध पत्र का उद्देश्य भारत के पर्यटन उद्योग पर कोविड–19 महामारी के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभावों का अध्ययन करना। महामारी के दौरान रोजगार और राजस्व में हुए परिवर्तनों का विश्लेषण करना। सरकार और निजी क्षेत्र द्वारा इस संकट से निपटने हेतु अपनाई गई नीतियों को समझना। भविष्य के लिए पर्यटन उद्योग की पुनरुद्धार (Recovery) संभावनाओं पर चर्चा करना।

परिकल्पना

परिकल्पना एक प्रारंभिक विचार या आधार होती हैं, जो सामयिक तथ्यों एवं घटनाओं की खोज करने तथा उनके विषय में ज्ञान प्राप्ति हेतु प्रेरणा प्रदान करती है। इस शोध अध्ययन की कुछ परिकल्पनाएं है, जिन पर निष्पक्ष शोध करना प्रस्तावित है। कोविड–19 महामारी ने पर्यटन उद्योग को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया, कोविड–19 महामारी ने पर्यटन उद्योग से सृजित आय, रोजगार और अन्ततः आर्थिक विकास सभी को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इन्हीं परिकल्पनाओं पर यह शोध कार्य आधारित है।

अध्ययन क्षेत्र

प्रस्तुत शोध अध्ययन के शोध क्षेत्र के अन्तर्गत संपूर्ण भारतीय अर्थव्यवस्था को सम्मिलित किया गया है।

शोध प्रविधि

यह शोध पत्र पूर्णतः द्वितीयक आकड़ों पर आधारित है। आकड़ों का संकलन विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, विभिन्न सरकारी रिपोर्टों, विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) के प्रकाशन, वार्षिक रिपोर्ट पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रकाशन, उत्तर प्रदेश सरकार के प्रकाशन, इलाहाबाद क्षेत्रीय पर्यटन कार्यलय के प्रकाशन आदि से किया गया है। आकड़ों के विश्लेषण के लिए एक्सेल, स्टेटा एवं ई–व्यूज़ जैसे सांख्यिकीय साफ्टवेयरों का उपयोग करते हुए सामान्य प्रतिशत विधि का उपयोग किया गया है। अध्ययन में वर्णनात्मक (Descriptive) और विश्लेषणात्मक (Analytical) शोध दृष्टिकोण को अपनाया गया है।

विश्लेषणात्मक अध्ययन

भारत का पर्यटन उद्योग विश्व स्तर पर आकर्षण का केन्द्र रहा है। यह न केवल विदेशी मुद्रा अर्जन का साधन है, बल्कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों की आजीविका का आधार भी है। वर्ष 2019 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान लगभग 9.2 प्रतिशत था (वार्षिक पर्यटन रिपोर्ट 2020) परन्तु, वर्ष 2020 में कोविड–19 महामारी के फैलने से इस क्षेत्र को गहरा आघात पहुँचा। लॉकडाउन, यात्रा प्रतिबंध, अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों का रुकना, और सामाजिक दूरी जैसे प्रावधानों ने पर्यटन गतिविधियों को लगभग ठप कर दिया।

पर्यटन उद्योग पर प्रत्यक्ष प्रभाव

विश्व में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन में गिरावट वर्ष 2020 में 184.13 प्रतिशत से अधिक रही है। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर यात्रा प्रतिबंधों के कारण घरेलू पर्यटक यात्राएं भी 60 प्रतिशत तक कम हो गईं। होटल और एयरलाइंस उद्योग पर प्रभाव होटल, गेस्ट हाउस, एयरलाइंस और ट्रैवल एजेंसियों को भारी घाटा झेलना पड़ा। (वार्षिक रिपोर्ट 2024, पर्यटन मंत्रालय) आरेख–1 में स्पष्ट है कि विश्व में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन वर्ष 2010 में 948 मिलियन था, जो वर्ष 2015 में 1195 मिलियन तथा वर्ष 2019 में बढ़कर 1465 मिलियन हो गया। वर्ष 2019 के दिसंबर माह में पहला कोविड–19 का केस सामने आया और मार्च 2020 तक आते–आते विश्व के अधिकतर देशों में लॉकडाउन लगा दिया। इस कारण वर्ष 2020 में विश्व में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन अत्यधिक संख्या में घटकर मात्र 407 मिलियन ही रह गया। इसी प्रकार भारत में भी वर्ष 2010 में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन 5.8 मिलियन था, जो वर्ष 2015 में बढकर 13.8 मिलियन और वर्ष 2019 में 17.2 मिलियन हो गया। इसके पश्चात् वर्ष 2020 में कोविड–19 महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए 25 मार्च को देशव्यापी लॉकडाउन लगा दिया गया। जिससे प्रभावित होकर वर्ष 2020 में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन मात्र 6.3 मिलियन ही रह गया ।

आरेख–1

विश्व और भारत में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन वर्ष 2010 से 2023

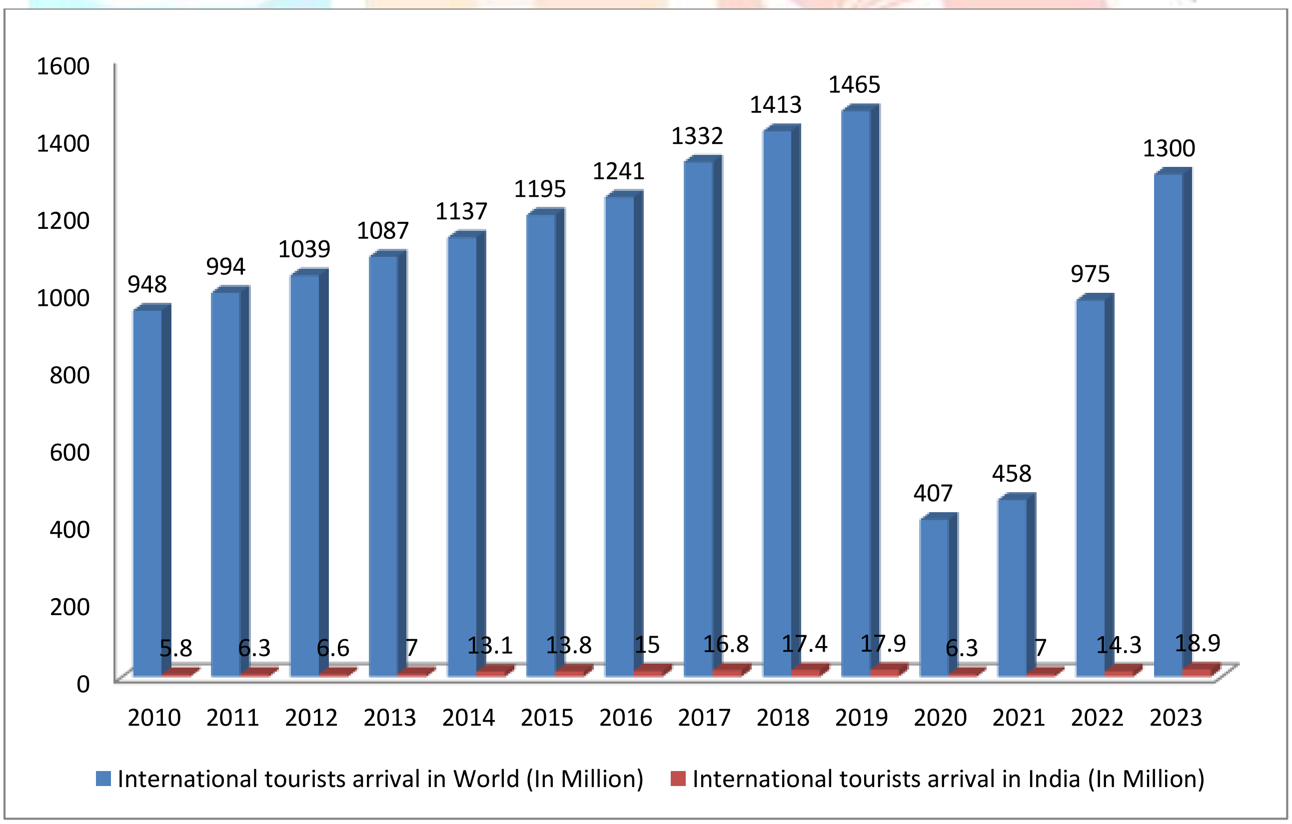

Source: Annual Report 2024, Ministry of Tourism, Government of India.

कोविड–19 महामारी के प्रकोप के कम होने के पश्चात् अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन में पुनरुद्धार आरंभ हो गया। विश्व में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन वर्ष 2021 में 458 मिलियन से बढ़कर वर्ष 2023 में 1300 मिलियन तक पहुंच गया। इसी प्रकार भारत में भी वर्ष 2021 में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन मात्र 7 मिलियन था, जो वर्ष 2023 में बढ़कर 18.9 मिलियन हो गया। अर्थात विश्व और भारत दोनों के अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन को कोविद–19 महामारी ने नकारात्मक रूप से प्रभावित किया।

आरेख संख्या–2 से स्पष्ट है कि विश्व में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन वर्ष 2011 में पूर्व वर्ष की अपेक्षा 7.94 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है। इसी प्रकार भारत में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन की वृद्धि वर्ष 2011 में पूर्व वर्ष की तुलना में 4.85 प्रतिशत रही। कोविड–19 महामारी के कारण विश्व एवं भारत में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन पूर्व वर्ष की तुलना में वर्ष 2020 में अत्यधिक गिरावट (–)184.15 प्रतिशत तथा (–)72.22 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है।

आरेख–2

विश्व और भारत में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन में पूर्व वर्ष की अपेक्षा परिवर्तन (वर्ष 2010 से 2023)

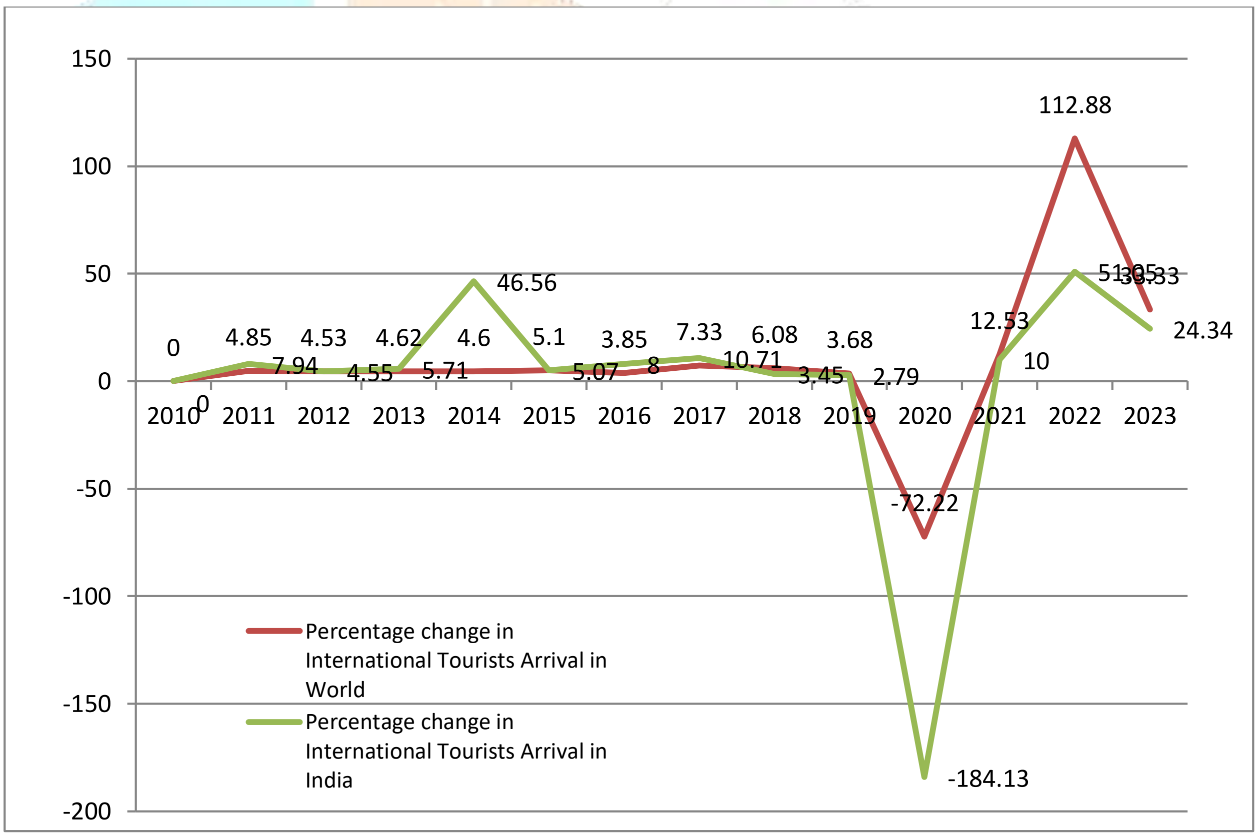

Source: India Tourism Data Compendium 2024, Ministry of Tourism, Government of India.

इसके पश्चात अगले ही वर्ष 2021 में पूर्व वर्ष की तुलना में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन विश्व और भारत में क्रमशः 12 प्रतिशत और 10 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है। इसके साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन विश्व और भारत में क्रमशः वर्ष 2023 में पूर्व वर्ष की अपेक्षा 33.33 प्रतिशत और 24.34 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि विश्व और भारत का पर्यटन उद्योग कोविड–19 महामारी के नकारात्मक प्रभावों से निकल चुका है।

आरेख संख्या–3 से स्पष्ट है कि पर्यटन उद्योग द्वारा भारत में विदेशी विनिमय अर्जन में 6.25 प्रतिशत की वृद्धि को प्रदर्शित करता है। कोविड–19 महामारी बढने के पश्चात् वर्ष 2020 में पूर्व वर्ष की तुलना में विदेशी विनिमय अर्जन में (–)135.66 प्रतिशत की गिरावट हुई, जो महामारी की भयावहता और वर्ष 2020 में विश्व के अधिकतर देशों सहित भारत में लगने वाले लॉकडाउन का परिणाम था।

आरेख–3

पर्यटन उद्योग द्वारा भारत में विदेशी विनिमय अर्जन पूर्व वर्ष की तुलना वृद्धि (वर्ष 2010 से 2023)

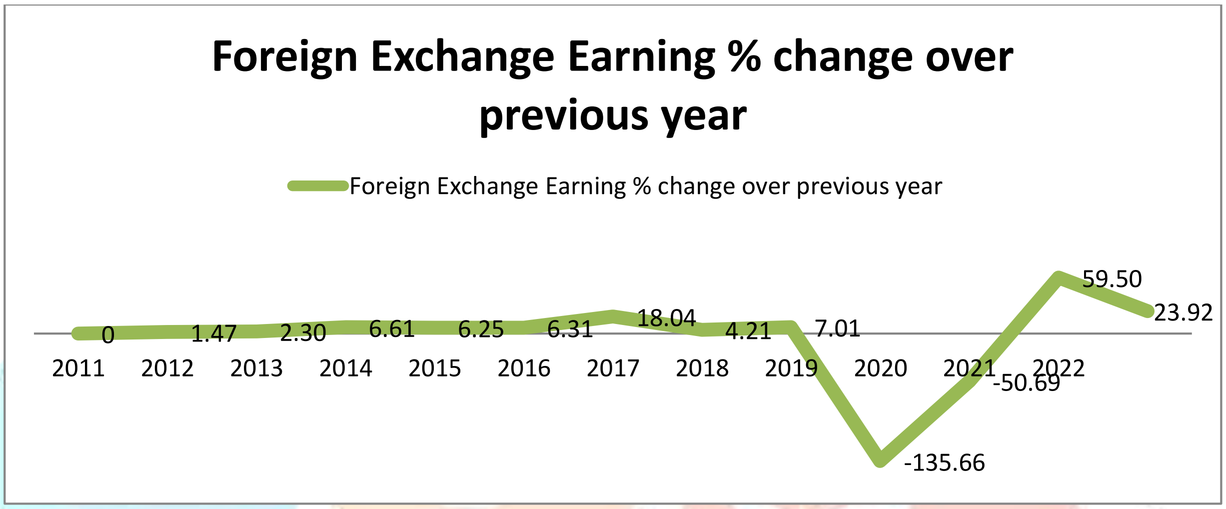

Source: India Tourism Data Compendium, 2024 Ministry of Tourism, Government of India.

जिससे सभी प्रकार की आर्थिक गतिविधियाँ कुछ समय के लिए रूक गयी थी। वर्ष 2020 के पश्चात् पर्यटन उद्योग द्वारा विदेशी विनिमय अर्जन में पुनः रिकवरी प्रारंभ हो गयी, जो पूर्व वर्ष की तुलना में वर्ष 2000 में 59.5 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

सकल मूल्यवर्द्धन और सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का अनुपात

सारणी–1

GVA **और** GDP में **पर्यटन उद्योग का प्रतिशत**

Year ⇨	2015–16	2018–19	2019–20	2020–21	2021–22	2022–23
GVA	5.35	5.23	5.39	1.54	1.81	5.19
GDP	5.19	5.02	5.17	1.50	1.75	5.00

Source: National Accounts Statistics, 2024, Ministry of Statistics and Programme Implimentation, Government of India.

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का योगदान वर्ष 2015–16 में 5.19 प्रतिशत और सकल मूल्यवर्द्धन में 5. 35 प्रतिशत योगदान रहा है। वर्ष 2019–20 तक सकल मूल्यवर्द्धन और सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का अनुपात लगभग स्थिर बना रहा और वर्ष 2020–21 में सकल मूल्यवर्द्धन और सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का

अनुपात क्रमशः 1.54 प्रतिशत और 1.50 प्रतिशत ही रह गया। इससे स्पष्ट है कि पर्यटन उद्योग पर कोविड–19 का प्रत्यक्ष नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

रोजगार पर प्रभाव

वर्ष	पर्यटन उद्योग द्वारा सृजित प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार (मिलियन में)
2015–16	72.26
2018–19	75.85
2019–20	69.44
2020–21	68.07
2021–22	70.04
2022–23	76.17

Source: India Tourism Data Compendium, 2024 Ministry of Tourism, Government of India.

भारत के पर्यटन उद्योग में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से वर्ष 2015–16 में 72.26 मिलियन लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ। वर्ष 2020–21 में महामारी के कारण इनमें से बड़ी संख्या में पर्यटन उद्योग से रोजगार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को कुछ समय के लिए बेरोजगार होना पड़ा। असंगठित क्षेत्र (जैसे टूर गाइड, टैक्सी चालक, छोटे व्यापारी) सबसे अधिक प्रभावित हुए। इसके बावजूद वर्ष 2020–21 में पर्यटन उद्योग ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 68.07 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान किया है।

सरकारी उपाय और नीतियाँ

- 'देखो अपना देश' अभियान घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया।
- क्रेडिट गारंटी योजना के द्वारा छोटे पर्यटन व्यवसायों और होटल उद्योग को आर्थिक सहायता दी गई।
- वैक्सीनेशन अभियान के द्वारा पर्यटन स्थलों पर सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने हेतु टीकाकरण को प्राथमिकता दी गई।
- वर्चुअल टूर और ऑनलाइन बुकिंग सिस्टम को बढ़ावा मिला।

महामारी के पश्चात् संभावनाएँ

कोविड–19 महामारी ने विश्व की लगभग सभी अर्थव्यवस्थाओं को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, परन्तु महामारी के पश्चात् अनेक सकारात्मक प्रभाव भी विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं में दृष्टिगोचर होते हैं। पर्यटन उद्योग में कोविड–19 महामारी के बाद कुछ सकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिलते हैं, जो निम्नलिखित हैं–

- घरेलू पर्यटक विदेश यात्रा के स्थान पर भारत के घरेलू पर्यटन गंतव्यों को प्राथमिकता देने लगे।
- स्वास्थ्य एवं वेलनेस टूरिज्म जैसे– योग, आयुर्वेद और नेचर टूरिज्म की मांग में वृद्धि हुई।
- इको–टूरिज्म और ग्रामीण पर्यटन में अभूतपूर्व वृद्धि दृष्टव्य होती है। अब पर्यटक भीड़–भाड़ से दूर प्राकृतिक एवं ग्रामीण क्षेत्रों की ओर आकर्षित होने लगे हैं।
- अन्य क्षेत्रों की भाँति पर्यटन उद्योग में भी डिजिटल तकनीक के उपयोग में तीव्र वृद्धि हुई। ऑनलाइन प्रचार–प्रसार और स्मार्ट टूरिज्म का विस्तार हुआ।

निष्कर्ष

कोविड–19 महामारी ने भारत ही नहीं बल्कि, समस्त विश्व के पर्यटन उद्योग को प्रत्यक्ष नकारात्मक रूप से प्रभावित किया। लाखों लोगों की आजीविका प्रभावित हुई और अरबों डॉलर का राजस्व घाटा हुआ। फिर भी, इस संकट ने पर्यटन उद्योग को नए अवसर भी प्रदान किए। घरेलू पर्यटन, स्वास्थ्य पर्यटन और डिजिटल टूरिज्म को नई दिशा प्राप्त हुई। यदि सरकार, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदाय मिलकर कार्य करें, तो भारत का पर्यटन उद्योग आने वाले वर्षों में न केवल पुनर्जीवित होगा बल्कि और अधिक सशक्त रूप में उभरेगा।

सुझाव

भारत में पर्यटन उद्योग वर्तमान में तीव्रगति से सांहिद कर रहा है। भारत में फिर भी कुछ कारकों पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है जो अग्रलिखित हैं–

- 'देखो अपना देश' जैसे अभियानों को और व्यापक बनाने की आवश्यकता है।
- पर्यटन गंतव्यों पर स्वच्छता, सुरक्षा एवं कोविड प्रोटोकाल को स्थायी रूप से लागू किया जाय।
- डिजिटल एवं वर्चुअल पर्यटन जैसे– म्यूज़ियम, ऐतिहासिक स्थलों और प्राकृतिक पार्कों के लिए वर्चुअल टूर विकसित किया जाय।
- ग्रामीण क्षेत्रों में होम–स्टे, सांस्कृतिक पर्यटन और इको–पर्यटन को बढ़ावा देना, जिससे आत्मनिर्भर भारत को बल मिलने के साथ–साथ स्थानीय रोजगार में भी वृद्धि होगी।
- बेरोजगार हुए टूर गाइड, टैक्सी ड्राइवर एवं होटल स्टाफ के लिए नई तकनीकि और डिजिटल कौशल प्रशिक्षण के साथ पुनः इस उद्योग में लगाया जाय।

Reference:

- Alamineh, G. (2022). The Nexus between coronavirus and tourism: Tourism as peace sensitive industry. Cogent Arts & Humanities. 9. 10.1080/23311983.2021.2014110. https://www.researchgate.net/publication/357738553_The_Nexus_between_coronavirus_and_tourism_Tourism_as_peace_sensitive_industry Retrieved on 23/02/2025.
- Arachchi, D. & Samarasinghe, D. (2024). Do fear-of-COVID-19 and regional identity matter for the linkage between perceived CSR and brand evangelism? A comparative analysis in South Asia. European Journal of Management Studies. 29. 10.1108/EJMS-07-2023-0052. https://www.researchgate.net/publication/385423377_Do_fear-of-COVID-19_and_regional_identity_matter_for_the_linkage_between_perceived_CSR_and_brand_evangelism_A_comparative_analysis_in_South_Asia Retrieved on 23/02/2025.
- Aryal, C. & Aryal, P. C. & Niraula, N. & Ghimire, B. & Pokhrel, S. & Nepal, R. (2022). Domestic Tourism in COVID-19 Era: Travel Choice in Himalayas Correlates to Geographic Origin and Age. The Gaze: Journal of Tourism and Hospitality. 13. 50-69. 10.3126/gaze.v13i1.42067. https://www.researchgate.net/publication/357642805_Domestic_Tourism_in_COVID-19_Era_Travel_Choice_in_Himalayas_Correlates_to_Geographic_Origin_and_Age Retrieved on 23/02/2025.
- Chaudhary, Monika & Sodani, Prahlad & Das, Shankar. (2020). Effect of COVID-19 on Economy in India: Some Reflections for Policy and Programme. Journal of Health Management. 22. 169-180. 10.1177/0972063420935541. https://www.researchgate.net/publication/343597161_Effect_of_COVID-19_on_Economy_in_India_Some_Reflections_for_Policy_and_Programme Retrieved on 23/02/2025.
- Faisal, M. & Dhusia, D. (2021). Pandemic's (Covid-19) Impact on Tourism Sector of India. Anais Brasileiros de Estudos Turísticos - ABET. 10.34019/2238-2925.2021.v11.33307. https://www.researchgate.net/publication/354980973_Pandemic's_Covid-19_Impact_on_Tourism_Sector_of_India Retrieved on 23/02/2025.
- Kalwad, A. & Kumar, Jp Senthil. (2024). The Development of MSMEs in India: a Bibliometric Analysis. Journal of Ecohumanism. 3. 10.62754/joe.v3i8.4742. https://www.researchgate.net/publication/385804819_The_Development_of_MSMEs_in_India_a_Bibliometric_Analysis Retrieved on 23/02/2025.
- L., Shanthi & G., Bhavya & N., Ashwini. (2024). An Empirical Study on Indian Economy Over COVID-19 Pandemic. Journal of Health Management. 10.1177/09720634241278820. https://www.researchgate.net/publication/384744410_An_Empirical_Study_on_Indian_Economy_Over_COVID-19_Pandemic Retrieved on 23/02/2025.
- Sardar, S. & Ray, R. & Hasan, Md & Chitra, S. & Parvez, A. & Avi, Md. (2022). Assessing the Effects of COVID-19 on Restaurant Business From Restaurant Owners' Perspective. Frontiers in Psychology. 13. 849249. 10.3389/fpsyg.2022.849249. https://www.researchgate.net/publication/359974431_Assessing_the_Effects_of_COVID-19_on_Restaurant_Business_From_Restaurant_Owners'_Perspective Retrieved on 23/02/2025.
- Solanki, M. & Oberoi, S. (2022). IMPACT OF CORONAVIRUS ON INDIAN AVIATION INDUSTRY. International Journal of Business & Economics (IJBE). 6. 353-365. 10.58885/ijbe.v06i2.353.ms. https://www.researchgate.net/publication/384383585_IMPACT_OF_CORONAVIRUS_ON_INDIAN_AVIATION_INDUSTRY Retrieved on 23/02/2025.
- Unurlu, Ç. (2020). The effect of place personality on resident welcoming tourist through positive and negative impacts of tourism. International Journal of Tourism Research. 23. 10.1002/jtr.2431. https://www.researchgate.net/publication/347567047_The_effect_of_place_personality_on_resident_welcoming_tourist_through_positive_and_negative_impacts_of_tourism Retrieved on 23/02/2025.
- Verma, R. & Singh, K. & Gantait, A. & Chaini, S.. (2024). Tourism Industry Amidst COVID-19 With Special Reference to National Capital Region of India. 10.4018/979-8-3693-9230-0.ch019. https://www.researchgate.net/publication/384977706_Tourism_Industry_Amidst_COVID-19_With_Special_Reference_to_National_Capital_Region_of_India Retrieved on 23/02/2025.

- Annual Report 2024 (2024). Ministry of Tourism, Government of India.
- India Tourism Data Compendium, 2024 (2024). Ministry of Tourism, Government of India.
- National Accounts Statistics, 2024,(2024). Ministry of Statistics and Programme Implimentation, Government of India. India.
- वार्षिक रिपोर्ट 2021, (2021). पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार, भारत।
- वार्षिक रिपोर्ट 2021, (2024). पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार, भारत।